सदा सतसंग की महिमा मुबारक हो मुबारक हो लिरिक्स

सदा सतसंग की महिमा,
मुबारक हो मुबारक हो।bd।

जगत को जलता देख करके,
प्रभु ने ज्ञान घटा भेजी,
बुझावे ताप त्रिय को,
मुबारक हो मुबारक हो।bd।

शोक संशय सब भागे,
गरजना संतों की सुन के,
वर्षावे ज्ञान अमृत को,
मुबारक हो मुबारक हो।bd।

बिना जप योग यज्ञ तप के,
सतसंग भव तारन गंगा,
समागम संतों का ऐसा,
मुबारक हो मुबारक हो।bd।

भवसिंधु पार होने का,
जहाज सतसंग है जग में,
खेवैया महात्मा साधू,
मुबारक हो मुबारक हो।bd।

हजारों खल कुटिल पामर,
सतसंग से तिर गये पापी,
‘अचलराम” फिर भी तिरते जात,
मुबारक हो मुबारक हो।bd।

सदा सतसंग की महिमा,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मुबारक हो मुबारक हो।bd।

गायक – समुद्र सूरेला।
रचना – स्वामी अचलराम जी महाराज।
प्रेषक – सांवरिया निवाई।
मो. – 7014827014

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com